समनुदेशन (Assignment) हेतु प्रश्न

बी.ए. प्रथम वर्ष संस्कृत

उपनिषद्, गीता तथा पाणिनीय शिक्षा

(SKT-AECC-104) **कुल अंक 30**

निर्देश - इस पत्र में दो समनुदेशन दिए गए हैं। प्रत्येक समनुदेशन में चार- चार प्रश्न हैं। दोनों समनुदेशन (Assignment) से तीन-तीन प्रश्न अपेक्षित हैं। हस्तलिखित समनुदेशन दूरवर्ती एवं ऑनलाईन शिक्षा केन्द्र को सम्प्रेषित करे।

समनुदेशन(Assignment)1 **अंक 15** **(5X3)**

प्र. 1 ईशावास्योपनिषद का सामान्य परिचय देते हुए इसकी महत्ता पर प्रकाश डालिए।

प्र. 2 निम्नलिखित में से किन्हीं दो मंत्रों का सरलार्थ कीजिए-

- ईशावास्यामिदँसर्वं यत्किंच जगत्यां जगत् ।
  तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा मा गृध: कस्यस्विद् धनम् । ।
- यस्मिन् सर्वाणी भूतान्यात्मैवाभूद् विजानत: ।
  तत्र को मोह: क: शोक एकत्वमनुपश्यत: । ।
- हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम् ।
  तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्मायं दृष्टये । ।

प्र. 3 ईशावास्योपनिषद में वर्णित ब्रह्म ज्ञान के स्वरूप की विवेचना कीजिए।

प्र. 4 औपनिषद् दर्शन में वर्णित सृष्टि प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

समनुदेशन(Assignment)2 **अंक 15** **(5X3)**

प्र. 1 श्रीमद्भागवद्गीता का सामान्य परिचय दीजिए।

प्र. 2 निम्नलिखित में से किन्हीं दो पद्यों की व्याख्या कीजिए-

- अशोच्यानन्वशोचस्त्वं प्रज्ञावादांश्च भाषसे ।
  गतासूनगतासूंश्च नानुशोचन्ति पण्डिता । ।
- नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावक: ।
  न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुत: ।
- स्थितप्रज्ञस्य का भाषा समाधिस्थस्य केशव ।
  स्थितधी: किं प्रभाषेत किमासीत व्रजेत किम् ।

प्र.3 श्रीमद्भगवद्गीता में वर्णित सांख्य योग पर प्रकाश डालिए।

प्र. 4 पाणिनीय शिक्षा की उपयोगिता का वर्णन कीजिए

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-5

स्नातक संस्कृत ..... वर्ष

सत्र.....

समनुदेशन विषय .....

पाठ्यक्रम कोड .....

समनुदेशन संख्या .....

प्रस्तुतकर्त्ता

नाम .....

पञ्जीकरण संख्या .....

अनुक्रमांक.....

स्थाई पता.....

.....

.....

ई-मेल.....

मोबाइल नं. .....

दिनांक .....

हस्ताक्षर .....